पेराई सत्र के पहले 4 महीनों में 24% घटा चीनी उत्पादन

[पीटीआई | नई दिल्ली]

मौजूदा मार्केटिंग ईयर की अक्टूबर-जनवरी अवधि में देश का शुगर प्रॉडक्शन 24 पर्सेंट घटकर 141.12 लाख टन रहा। इंडस्ट्री संगठन भारतीय चीनी मिल संघ (ISMA) के मुताबिक प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में पेराई कर रही मिलों की संख्या कम रहने से उत्पादन में यह गिरावट आई है। पिछले साल की इसी अवधि में शुगर प्रॉडक्शन 185.59 लाख टन था। शुगर मार्केटिंग ईयर अक्टूबर से लेकर सितंबर महीने तक का होता है।

ISMA ने बताया, '31 जनवरी 2020 तक, देश में 446 चीनी मिलों ने 141.12 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। पिछले सत्र में इसी तारीख तक 520 मिलों ने 185.59 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था।'

मार्केटिंग ईयर 2019-20 के पहले चार महीनों में महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 34.64 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की इसी अवधि में 70.99 लाख टन था। हालांकि उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन पिछले साल के 52.86 लाख टन से बढ़कर 54.96 लाख टन रहा। कर्नाटक में चीनी का उत्पादन पिछले साल के 33.76 लाख टन से घटकर 27.94 लाख टन रहा।

ISMA ने वर्ष 2019-20 के लिए देश का चीनी उत्पादन 260 लाख टन रहने का अनुमान लगाया है। यह अनुमान एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के रस और 'बी' ग्रेड के भारी शीरे के होने वाले डायवर्जन को ध्यान में लेने के बाद जारी किया गया है। शीरे के लिए इस डायर्वजन की वजह से चीनी उत्पादन में करीब 8.5 लाख टन की कमी आएगी। बयान के मुताबिक, 'इस सत्र में 260 लाख टन के उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले सत्र के चीनी उत्पादन की तुलना में 70 लाख टन कम होगा। हम पहले से ही देख सकते हैं कि जनवरी 2020 के अंत तक चालू वर्ष का उत्पादन, पिछले साल की तुलना में करीब 44.5 लाख टन पीछे चल रहा है।' मौजूदा सत्र के पहले चार महीनों में चीनी की बिक्री, साल भर पहले की समान अवधि की तुलना में लगभग 7-8 लाख टन अधिक होगी। संगठन ने कहा, 'पिछले वर्ष चीनी मिलों ने करीब 255 लाख टन की अनुमानित बिक्री थी। इस साल अधिक बिक्री की संभावना को देखते हुए ISMA को उम्मीद है कि मौजूदा सत्र में चीनी मिलों की ओर से 260 लाख टन के करीब चीनी की बिक्री होगी।'

Economic Times
4/2/20